

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. V. SIVADASAN (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now Special Mentions. माननीय श्री हरद्वार दुबे जी।

### SPECIAL MENTIONS

#### Need to start train between Agra and Ballia

**श्री हरद्वार दुबे** (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, मैं इस विषय के द्वारा बलिया जिला, जो एक क्रांतिकारी जिला रहा है...(व्यवधान)...

**श्री उपसभापति** : आप स्टेटमेंट को पढ़ ही सकते हैं। जो स्टेटमेंट सैंक्शन हुई है, आप उसे पढ़िये।...(व्यवधान)...

**डा. राधा मोहन दास अग्रवाल**(उत्तर प्रदेश): हम पढ़ देते हैं।

**श्री उपसभापति** : डा. अग्रवाल जी, इसकी इजाजत नहीं है।

**श्री हरद्वार दुबे**: महोदय, आगरा एक ऐतिहासिक पर्यटन स्थल है, वहीं मथुरा एक धार्मिक जिला है, जहाँ विभिन्न स्थलों पर भगवान कृष्ण के लीला स्थल हैं। बाबर एवं राणा सांगा की लड़ाई का खानवा मैदान भी आगरा जिले से लगे हुए फतेहपुर सीकरी के पास ही है। वहीं केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, कीठम झील और सुर सरोवर पक्षी अभयारण्य भी हैं, जहाँ जाड़े के दिनों में विश्व भर के तरह-तरह के पक्षियों का बसेरा होता है, जिन्हें प्रकृति प्रेमी पर्यटक देखने के लिए आते हैं। बलिया, गाजीपुर तथा मऊ क्रांतिकारी जिले हैं, जो कि स्वतंत्रता की लड़ाई में अग्रणी रहे। बलिया जनपद एवं गाजीपुर, देवरिया और मऊ, ये पूर्वांचल के जिले हैं। इधर भारी संख्या में जनता दर्शन, पर्यटन और रोजगार के लिए आती है, परंतु आगरा से बलिया के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं है, जबकि एक सुपरफास्ट ट्रेन जयपुर से आगरा फोर्ट होते हुए प्रयागराज पहुंच जाती है और तब से लेकर रात्रि नौ बजे तक यह प्रयागराज रेलवे यार्ड पर ही खड़ी रहती है। प्रयागराज से बलिया की दूरी 200 किलोमीटर के लगभग है और तीन से चार मुख्य स्टेशन हैं। यदि इस ट्रेन को प्रयागराज पहुंचने के

आधे घंटे बाद बलिया के लिए रवाना किया जाये, तो यह भदोही, वाराणसी, गाजीपुर होते हुए नौ बजे तक बलिया पहुंच जायेगी तथा इसे सुविधानुसार बलिया से वापस प्रयागराज के लिए प्रस्थान कराया जा सकता है। इससे ट्रेन का उपयोग तथा जनता को लाभकारी सुविधा मिल जायेगी। मेरा आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से अनुरोध है कि वे मेरी इस माँग पर कार्रवाई करें।

**श्री नीरज शेखर** (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ। उपसभापति जी, आपको भी इसे देखना चाहिए।

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

**श्री उपसभापति:** माननीय श्री सुशील कुमार गुप्ता जी, not present. Dr. K. Laxman.

### **Need to recognize the JIPMER OBC Welfare Association**

DR. K. LAXMAN (Uttar Pradesh): Sir, my Special Mention is regarding JIPMER OBC Welfare Association.

The DoPT, Government of India, has issued various instructions for monitoring the compliance of various provisions for protecting the interests of SC/ST and OBCs. One such instruction has been issued regarding the nomination of a Liaison Officer and setting up of a Cell in each Ministry or Department to ensure enforcement of orders of reservation in posts and services of the Central Government. The role and responsibilities of the Liaison Officer are clearly defined. He is supposed to oversee the implementation of various provisions pertaining to the reservation of posts for SC, ST, OBCs, etc. Each Ministry/Department is also required to set up a Special Reservation Cell within the Ministry/Department.

In this context, JIPMER Staff OBC Welfare Association approached the authorities for the recognition of their Welfare Association but ended in vain. The